BCCI BULLETIN
BIHAR CHAMBER OF COMMERCE & INDUSTRIES
Vol. XXXXIV | 10th April 2013 | No. 4

चैम्बर में महामहिम राज्यपाल का अभिनन्दन

• सरकार व उद्यमियों के बीच सेतु का काम कर रहा है चैम्बर : **राज्यपाल** • बिहार के समग्र विकास के लिए केन्द्र से विशेष मदद की आवश्यकता : **चैम्बर अध्यक्ष**

महामहिम राज्यपाल डॉ. डी. वाई. पाटिल को चैम्बर का प्रतीक-चिह्न भेंट करते चैम्बर अध्यक्ष श्री पी. के. अग्रवाल। उनकी दांयीं ओर कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार जैन। महामहिम के बांयीं ओर क्रमशः उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, महामंत्री श्री ए. के. पी. सिन्हा।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के प्रांगण में दिनांक 5 अप्रैल, 2013 को महामहिम राज्यपाल पद्मश्री डॉ० डी० वाई० पाटिल के सम्मान में अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया । समारोह की अध्यक्षता चैम्बर के अध्यक्ष श्री पी0 के0 अग्रवाल ने किया । इस मौके पर काफी व्यावसायिक संगठनों ने भी महामहिम का अभिनन्दन किया ।

चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि वे महामहिम के अनुग्रहित हैं कि उन्होंने अपने अति व्यस्त समय में से चैम्बर के लिए समय निकाला और हमें सम्मानित करने का सुअवसर प्रदान करने की कृपा की । चैम्बर अध्यक्ष ने सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपको यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता होगी कि महामहिम का पहला पब्लिक कार्यक्रम आज हो रहा अभिनन्दन समारोह का कार्यक्रम है । इसके लिए उन्होंने महामहिम का पुनः हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया ।

चैम्बर अध्यक्ष ने आगे कहा कि चाहे आर्थिक उन्नति हो या सामाजिक उन्नति हो या मानवीय उन्नति हो, इसके लिए केन्द्र द्वारा विशेष मदद की आवश्यकता है । आशा है कि आपके सहयोग से हमलोगों को विशेष सहायता मिलेगी । जिस प्रकार महाराष्ट्र में आपके दिशानिर्देशन से शैक्षणिक क्रांति आयी है उसी प्रकार बिहार में भी शैक्षणिक क्रांति की काफी आवश्यकता है । काफी विद्यार्थी बिहार से बाहर शिक्षा ग्रहण करने के लिए जाते हैं । आशा है कि वैसे ही शैक्षणिक संस्थान बिहार में आपके कृपापूर्ण सहयोग एवं महत्वपूर्ण भूमिका से बिहार में भी बनेगा और बिहार के विद्यार्थियों को वही शैक्षणिक माहौल बिहार में ही मिलेगा ।

चैम्बर उपाध्यक्ष श्री शशिमोहन ने महामहिम की प्रशंसा करते हुए उन्हें महान शिक्षाविद एवं विवाद से परे व्यक्तित्व का धनी बताया । उन्होंने आगे कहा कि महामहिम अपने वेतन मद में राजकीय खजाने से मात्र एक रुपया लेते हैं एवं अपने व्यक्तिगत खर्चों का वहन भी स्वयं करते हैं जो आज के युग में सराहनीय एवं अनुकरणीय है ।

चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री युगेश्वर पाण्डेय ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि 55 वर्षों के बाद आप जैसे शिक्षाविद व्यक्ति ने बिहार के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया है जो हमारे लिए बड़े ही गौरव की बात है । उन्होंने महामहिम की तुलना महामना से की ।

बिहार के दवा व्यवसायियों की तरफ से बिहार केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स एसोसियेशन के अध्यक्ष एवं चैम्बर के पूर्व उपाध्यक्ष श्री पी० के० सिंह ने भी महामहिम का अभिनन्दन करते हुए तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बिहार को समुन्नत बनाने की अपील की ।

महामहिम राज्यपाल पद्मश्री डॉ० डी० वाई० पाटिल ने अपने आर्शीवचन में कहा कि चैम्बर अपने स्थापना काल 1926 से ही व्यावसायिक समुदाय की अपेक्षाओं के अनुरूप उनके हित में आवाज उठाता रहा है । यह बिहार के उद्योग एवं व्यवसाय जगत का पुराना संगठन है । वर्ष 2002 में अपना प्लैटिनम जुबली मना चुका है । चैम्बर ने समाज के प्रति जबावदेही दिखाई है । आर्थिक एवं औद्योगिक उत्थान के लिए चैम्बर सरकार एवं उद्यमियों के बीच सेतु की भूमिका निभा रहा है । साथ ही सरकार की नीतियों का समर्थन एवं उसको लागू कराने में योगदान किया है । व्यवसाय एवं उद्योग जगत के माध्यम से चैम्बर मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है । महामहिम ने कहा कि चैम्बर ने मगध स्टॉक एक्सचेंज की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई । चैम्बर ने प्राकृतिक आपदा के समय भी पीड़ित मानवता के लिए काफी बढ़ चढ़ कर मदद की है ।

इसके पूर्व जिन व्यवसायिक संगठनों ने महामहिम का बूके, शॉल आदि देकर स्वागत किया वे थे– बिहार केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स एसोसियेशन (रजि0) पटना, भोजपुर चैम्बर आफॅ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री, आरा, पूर्वी चम्पारण चैम्बर आफॅ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, मोतिहारी, बिहार राज्य खाद्यान्न व्यवसायी संघ, पटना, पूर्वोत्तर बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, कटिहार, नालन्दा चैम्बर ऑफ कॉमर्स, बिहारशरीफ, जिला वाणिज्य परिषद्, मुजफ्फरपुर, वैशाली चैम्बर ऑफ कॉमर्स, हाजीपुर, पटना केमिस्ट्स एण्ड ड्रगिस्ट्स एसोसियेशन (रजि0), पटना, हथुआ मार्केट व्यवसायी समिति, पटना, न्यू मार्केट दुकानदार कल्याण समिति, पटना, पटना सिटी व्यापार मंडल, पटना सिटी, दानापुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स, दानापुर, फ्रोजेन फूड्स एसोसियेशन, बिहार, पटना, बाँका जिला चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, बाँका।

इस अवसर पर चैम्बर उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, उपाध्यक्ष श्री शशि मोहन, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार जैन, महामंत्री श्री ए० के० पी० सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष श्री डी० पी० लोहिया, श्री ओ० पी० साह सहित कई विभागों के अधिकारी, चैम्बर के सदस्यगण सहित प्रेस एवं मीडिया बन्धुओं से पूरा साहू जैन हॉल भरा था।

बिहार चैम्बर की तरफ से महामहिम को अंगवस्त्रम, स्मृति चिन्ह एवं भारत सरकार द्वारा चैम्बर के प्लेटिनम जुबली के अवसर पर जारी डाक टिकट का एलबम भी भेंट किया गया।

अभिनन्दन समारोह का मंच संचालन चैम्बर के उपाध्यक्ष श्री शशि मोहन ने एवं धन्यवाद ज्ञापन चैम्बर के महामंत्री श्री ए० के० पी० सिन्हा ने किया।

शहर में इंटरनेशनल बैंकिंग की सुविधा शीघ्र – मुख्य महाप्रबंधक

कार्यक्रम को संबोधित करते चैम्बर अध्यक्ष श्री पी. के. अग्रवाल। उनकी बांयीं ओर क्रमशः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य महाप्रबंधक श्री जीवनदास नारायण, महाप्रबंधक श्री एन. आर. परमार। उनकी दाँयीं ओर क्रमशः उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, उपाध्यक्ष श्री शशिमोहन, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार जैन, महामंत्री श्री ए. के. पी. सिन्हा।

भारतीय स्टेट बैंक के चीफ जेनरल मैनेजर जीवनदास नारायण ने कहा कि डाकबंगला शाखा में इंटरनेशनल बैंकिंग की सुविधा एक हफ्ते में शुरू हो जाएगी। फिलहाल गांधी मैदान मुख्य शाखा और बोरिंग रोड शाखा में यह सुविधा है। उन्होंने बैंककर्मियों को हिदायत दी कि कोर बैंकिंग के जमाने में ग्राहक किसी शाखा का नहीं बल्कि बैंक का होता है। ऐसे में दूसरी शाखा के ग्राहक को नकद जमा करने से कोई भी शाखा मना नहीं कर सकती है। नारायण ने बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) के सभागार में दिनांक 20 मार्च 2013 को हुई बैठक में ये बातें कहीं। उन्होंने चैम्बर के पदाधिकारियों के साथ देर तक मंत्रणा की।

उन्होंने बीसीसीआई सदस्यों के सुझावों को बढ़िया बताते हुए कहा कि सीटीएस चेक जल्द ग्राहकों को मिले जाएं यह सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने चेक क्लियरिंग की परेशानियों के बारे में डीजीएम मनीष टंडन को 15 दिनों में स्टडी रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। उन्होंने ई-बैंकिंग के लिए बार-बार नया पासवर्ड बनाने की व्यवस्था को बदलने की मांग पर कहा कि साइबर फ्रॉड के जमाने में हर बड़े लेन-देन में पासवर्ड बदलने की व्यवस्था हो सकती है। एसबीआई के जनरल मैनेजर एन. आर. परमार ने बैंक अधिकारियों को ग्राहकों के दरवाजे पर बात करते हुए लोन मेला, टेडर्स मीट, बिजनेस मीट समेत कई गतिविधियों की जानकारी दी। चैम्बर अध्यक्ष पी. के. अग्रवाल ने चार्जेज और प्रोसेसिंग फी कम करने, आरटीजीएस चार्जेज सुविधाजनक करने, क्लियरिंग में लगने वाले समय को कम करने, सोलर पॉवर और फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज में फाइनेंस करने, सरकारी पेमेन्ट की सुविधा ज्यादा शाखाओं में करने समेत 18 सूत्री मांगपत्र श्री दास को सौंपा। युगेश्वर पांडेय, ओ. पी. साह, डी. पी. लोहिया, महामंत्री ए. के. पी. सिन्हा, उद्यमी संजीव चौधरी, पवन अग्रवाल, बिहार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के उत्पल सेन, सुबोध गोयल समेत कई लोगों ने बैंकिंग सुविधा आसान करने के कई सुझाव दिए। इस अवसर पर चैम्बर उपाध्यक्ष जी० के० खेतड़ीवाल एवं शशि मोहन, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन सहित बैंक के कई वरीय पदाधिकारी मौजूद थे।

(साभार : हिन्दुस्तान, 21.3.2013)

मामलों का ऑन-द-स्पॉट निपटारा

.... मानो समस्याओं का तुरंत सामाधान के लिए आए हों। व्यापारियों और उद्यमियों की बैठक मे बड़े अधिकारियों के साथ पहुंचे एसबीआई के सीजीएम जीवनदास नारायण की कार्यशैली से व्यापारी मंत्रामुग्ध थे। ऑपरेशनल दिक्कतों को तुरंत ठीक करने की हिदायत मातहतों को देते रहे। छपरा चैम्बर ऑफ कॉमर्स के पवनजी की शिकायत पर तुंरत वहां के रीजनल मैनेजर से बात कर उनके साथ मीटिंग का समय तय कर मामला निपटाने की सलाह दी । चाहे क्लियरिंग में आने वाली अड़चन हो, राजेन्द्रनगर ब्रांच में परेशानी का मामला हो या केवाईसी से जुड़े मसले हो। डेढ़ घंटे तक चली बैठक में वे समस्याओं के तय समयसीमा में निपटारे का निर्देश मातहतों को लगातार देते रहे।

चैम्बर ने किया सरकार के निर्णय का स्वागत

बिहार चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज ने राज्य के उद्योगों को औद्योगिक प्रोत्साहन नीति में एएमजी-एमएमजी से मिल रही छूट की सुविधा को जारी रखने के निर्णय का स्वागत किया है। चैम्बर के अध्यक्ष पी० के० अग्रवाल ने कहा कि इस संबंध में चैम्बर ने लगातार उद्यमियों को प्राप्त सुविधा को बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी द्वारा स्थगित किए जाने को तथ्यों के साथ विभिन्न स्तर पर उठाया था। कंपनी के चेयरमैन सह एमडी पीके राय से भी उद्यमियों का एक प्रतिनिधिमंडल मिला था। उद्योग विभाग के सचिव से भी उद्यमियों की इस सुविधा को बहाल रखने का अनुरोध किया गया था। श्री अग्रवाल ने कहा कि बजट पूर्व उप मुख्यमंत्री ने उद्यमियों की राय जब मांगी थी, तब इस समस्या से उन्हें भी अवगत कराया गया था। चैम्बर अध्यक्ष ने एएमजी-एमएमजी से मिल रही छूट की सुविधा बहाल रखने के लिए मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया है।

(साभार: हिन्दुस्तान, 15.3.2013)

बिहार उत्सव 2013 (15–22 मार्च 2013)

उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित करते चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल। उनकी दांयीं ओर माननीया उद्योग मंत्री डॉ० रेणु कुमारी कुशवाहा, प्रधान सचिव उद्योग श्री नवीन वर्मा, चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह एवं अन्य।

बिहार उत्सव 2013 कार्यक्रम को सम्बोधित करते चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल।

बिहार के अनमोल विरासत, कला, संस्कृति, हस्तशिल्प उत्पाद एवं व्यंजनों की गौरवशाली परम्परा एवं सभ्यता को देश के मानचित्र पर चित्रित एवं अंकित करने तथा जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से दिनांक-15 मार्च,2013 को दिल्ली हाट, पीतमपुरा में उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित **''बिहार उत्सव 2013''** का उद्घाटन माननीया उद्योग मंत्री बिहार डॉ० रेणु कुमारी कुशवाहा के कर कमलों द्वारा हुआ । बिहार सरकार के प्रधान सचिव, उद्योग विभाग श्री नवीन वर्मा, उद्योग निदेशक श्री शैलेश ठाकुर सहित कई अधिकारी इस अवसर पर मौजूद थे । बिहार उत्सव में चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल एवं चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री ओ० पी0 साह भी विशेष आमंत्रण पर इस कार्यक्रम में उपस्थित थे । कार्यक्रम को चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया ।

16 मार्च, 2013 को बिहार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की सम्भावनाओं पर विस्तृत परिचर्चा भी हुई । 18 मार्च, 2013 को दिल्ली हाट पीतमपुरा में विभिन्न औद्योगिक संगठनों से सम्बन्धित विशिष्ट व्यवक्तियों, उद्यमियों के साथ एक परिचर्चा का कार्यक्रम हुआ जिसका उद्घाटन माननीया उद्योग मंत्री डॉ० रेणु कुमारी कुशवाहा ने किया । इस कार्यक्रम में चैम्बर के अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल एवं पूर्व अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह सम्मिलित हुए ।

इस अवसर पर बिहार के औद्योगिक उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गयी जिसमें हैण्डलूम क्लस्टर, हैंडिक्राफ्ट के उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी, आर्ट गैलरी, फूड स्टॉल एवं प्रतिदिन संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये ।

18 मार्च, 2013 की संध्या में दिल्ली हाट पीतमपुरा, INA में बिहारी व्यंजन का फूड स्टॉल तथा वहाँ आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल जी सम्मिलित हुए ।

करदाताओं के द्वार पहुंचा इनकम टैक्स विभाग

इनकम टैक्स विभाग अब आयकरदाताओं के द्वार पहुंच रहा है। 14 मार्च 2013 को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स में ट्रेड व इडस्ट्री के साथ बैठक हुई। इसमें आयकर व टीडीएस की कटौती पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई।

इस अवसर पर मुख्य आयकर आयुक्त एस. के. सहाय ने कहा कि आयकर विभाग देशहित में जनता से टैक्स वसूल रहा है। टीडीएस कटौती की शिकायतों को दूर करने के लिए विभाग प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई कर रहा है। टीडीएस की कटौती नियमित रूप से होनी चाहिए। कई संस्थानों में टीडीएस की कटौती नियमित रूप से नहीं हो रही है। कर कटौती में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। टीडीएस की जो कटौती की जाए उसे समय पर जमा किया जाए। विभाग आयकरदाताओं की शिकायतों को दूर करना चाहता है। उन्होंने कहा कि व्यापारी आयकरदाता एडवांस टैक्स जमा कर दें। टैक्स का आकलन सही ढंग से करें ताकि सही समय पर सही टैक्स जमा हो सके। सही समय पर टैक्स जमा नहीं करने पर पेनाल्टी जमा करनी होगी। आयकरदाता एडवांस टैक्स जमा कर देश के विकास में भागीदार बनें। भारतीय राजस्व सेवा के भरत भूषण ने कहा कि देश तेजी से बदल रहा है और इसमें आयकरदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। कई संस्थान सही टैक्स जमा नहीं करते हैं और टैक्स की चोरी भी करते हैं। आयकर विभाग का बैक के बड़े

लेन-देन पर भी नजर है। आज टेक्नॉलोजी का जमाना है और इस जमाने में बड़े लेन-देन को छिपाना मुश्किल है।

आयकर विभाग आयकरदाताओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चला रहा है। बैठक में आयकरदाताओं ने भी कई समस्याओं की ओर आयकर विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट किया ।

इस अवसर पर चैम्बर अध्यक्ष श्री पी. के. अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री ओ. पी. साह, उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, उपाध्यक्ष श्री शशि मोहन, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार जैन सहित चैम्बर के काफी सदस्य उपस्थित थे।

(साभार : हिन्दुस्तान, 15.3.2013)

बिहार चैम्बर में नगर आयुक्त के साथ संवाद

नगर आयुक्त श्री आदेश ति०। दायें ओर उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल एवं नगर विकास उप समिति के चैयरमेन श्री नन्हे कुमार।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के प्रांगण में दिनांक 9 मार्च, 2013 को पटना नगर निगम के नगर आयुक्त, श्री आदेश ति०, भा०प्र०से० के साथ एक संवाद कार्यक्रम हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने की । नगर निगम नूतन राजधानी अंचल कार्यपालक पदाधिकारी श्री शशांक शेखर सिन्हा सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

चैम्बर अधयक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने अपने स्वागत सम्बोधन में कहा कि आज के दिन दो ही चीज चाहिए -बिजली और नागरिक सुविधाएँ । इसके अतिरिक्त है -विधि-व्यवस्था जो राज्य सरकार का जिम्मा है । नागरिक सुविधाओं में नगर निगम का बड़ा दायित्व है । जनता की भी जिम्मेवारी है, लेकिन नगर निगम से अपेक्षा है कि शुद्ध पेय जल, सफाई, नाली, निर्माण जो भी उनके दायरे में आता हो, बिजली को छोड़कर सभी, पटना के नागरिकों को उपलब्ध हो । हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि श्री आदेश जी के पदभार ग्रहण करने के बाद इस पर काफी ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि मौर्यालोक सिर्फ पटना नगर निगम का प्रतिष्ठित कॉमर्शियल कम्पलेक्स नहीं है, पटना ही नहीं, पूरे बिहार की नाक है । वहाँ कई बैंकों, केन्द्र सरकार के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफॅ कम्पनी का कार्यालय है जहाँ सभी तबके के लोग आते-जाते हैं । अतएव, इसकी स्थिति में सुधार आवश्यक है ।

चैम्बर के नगर विकास उप समिति के चेयरमैन श्री नन्हे कुमार ने चैम्बर की तरफ से ज्ञापन समर्पित किया जसमें मुख्य सुझाव थे - • कूड़े फेंकने का स्थान चिन्हित हो • नागरिकों द्वारा सफाई व्यवस्था प्रमाणित करायी जाय • प्रत्येक वार्ड में पाँच स्थानीय लोगों की कमिटी गठित की जाय • सफाई कार्य सुबह से पहले आरम्भ हो • सड़कों पर से आवारा पशुओं, सुअरों एवं कुत्तों को हटाया जाय • जानवरों को पकड़ कर कांजी हाउस में बन्द कराया जाय • नाले की पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था हो • बहुमंजिले भवनों का निर्माण नियमानुसार कराया जाय • पार्को का समुचित रख-रखाव हो • सड़कों के नाम की पट्टी सड़कों के आरम्भिक एवं अंतिम छोर पर लगाया जाये • निगम का शाखा कार्यालय सभी वार्डो में स्थापित हो • टैक्सी ऑटो चालकों के लिए नाम पट्टी के साथ उनकी वर्दी अनिवार्य हो • शौचालयों व सड़कों को दुरूस्त किया जाय । इसके अतिरिक्त भी कई बिन्दुओं पर सुझाव दिये गये ।

नगर आयुक्त ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि राजधानीवासियों को दो वर्षों के अंदर पेयजल की समस्या से पूरी तरह निजात मिल जायेगी । नगर निगम की सबसे बड़ी जिम्मेवारी स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराना है । इसके लिए निगम ने बृहत कार्य योजना तैयार की है । पटना के उत्तरी भाग में गंगा नदी के पानी को साफ करके पाइप द्वारा लोगों के घरों तक पहुँचाया जायेगा जिसके लिये शुल्क देना होगा । दक्षिणी भाग में बोरिंग के द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया जायगा । पटना के 72 वार्डो में से 20 वार्डो में पेयजल का काम चालू है । दो वर्षो के अन्दर पेयजल समस्या समाप्त हो जायेगी । सीवरेज और ड्रेनेज व्यवस्था को अलग करने के लिए सिंगापुर की कम्पनी मेनहार्ट ने डी०पी०आर० लगभग तैयार कर दिया है । इसके लिए 250 करोड़ के बजट का प्रावधान किया गया है। डोर-टू-डोर कूड़ा उठाव के लिए इंटरनेशनल टेंडर कराया जायेगा । 23 करोड़ की योजना नये मशीन और वाहन खरीद के लिए बनायी गयी है । कचरा प्रबन्धन की व्यवस्था भी छह माह के अन्दर ठीक हो जायेगी । पीक आवर में कूड़ा नहीं उठेगा । इससे जाम की समस्या नहीं रहेगी।

होल्डिंग टैक्स के सम्बन्ध में नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की आबादी 18 लाख है और होल्डिंड टैक्स मात्र 30 करोड़ वसूल होता है । एक अप्रैल से नया होल्डिंग टैक्स लगेगा । एक अप्रैल से ऑन लाइन व्यवस्था पूरी तरह लागू हो जायेगी । उन्होंने कहा कि कांजी हाउस को विकसित किया जायेगा । आवारा पशुओं को पकड़ कर उसमें रखा जायेगा । नगर आयुक्त ने शहर में एक भी ट्रैफिक सिग्नल न होने पर उन्होंने कहा कि पाँच करोड़ रूपये की लागत से ट्रैफिक सिग्नल लगाने की योजना पर काम चल रहा है । पार्किंग की समस्या के लिए समाधान का प्रयास हो रहा है । 50 स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था होगी । दो माह में इसमें सुधार दिखेगा । वेंडरों के लिए भी अलग से स्थान की व्यवस्था होगी । दो स्थानों, डाक बंगला चौराहा और स्टेशन के पास भूमिगत पार पथ का निर्माण होगा । नये बस और ऑटो स्टैण्ड भी बनाने की योजना है ।

नगर आयुक्त ने बताया कि हथुआ मार्केट और मौर्यालोक सहित अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी । सदस्यों के सार्वजनिक शौचालय न होने की शिकायत पर नगर आयुक्त ने कहा कि शहर में 30 डिलक्स शौचालय बनाये गये हैं । उन्हें चालू कराया जायेगा । आवश्यकता पड़ने पर और भी शौचालय बनाये जायेंगे ।

उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि पटना को स्वच्छ सुन्दर बनाने में नागरिक सहयोग करें । इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दो माह पर एक बार हमलोग मिलकर चर्चा करें कि क्या कार्यवाही हुई है ।

इस कार्यक्रम को सम्बोधित करने वालों में मुख्य थे :- मौर्यालोक दुकानदार संघ के अध्यक्ष श्री राजेश कुमार, लक्ष्मी नारायण पोद्दार, हथुआ मार्केट व्यवसायिक समिति के अध्यक्ष श्री चड्ढ़ा साहब, श्री आर० पी० एस० चावला, वार्ड पार्षद एवं चैम्बर सदस्या श्रीमती सुषमा साहू, चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री युगेश्वर पाण्डेय, श्री यू० एन० शर्मा, मौर्यालोक दुकानदार श्री राम जनम शर्मा, चैम्बर के पूर्व कोषाध्यक्ष श्री सुबोध कुमार जैन, कार्यकारिणी सदस्य श्री सच्चिदानन्द, श्री सुबोध गोयल, श्री श्याम सुन्दर हिसारिया, श्री बाँके रस्तोगी, पूर्व उपाध्यक्ष श्री गोपी कृष्ण सराफ, श्री राजेन्द्र कुमार साहू आदि ।

इस अवसर पर चैम्बर उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, महामंत्री श्री ए० के० पी० सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष श्री डी० पी० लोहिया सहित चैम्बर के काफी सदस्य एवं प्रेस बन्धु उपस्थित थे । श्री ए० के० पी० सिन्हा, महामंत्री के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ ।

चैम्बर में होली मिलन समारोह का आयोजन

होली का आनन्द उठाते (दाँयें से बाँये) क्रमशः माननीया उद्योग मंत्री डॉ० रेणु कुमारी कुशवाहा, पूर्व अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह, एसबीआई के मुख महा प्रबंधक श्री जीवनदास नारायण, पूर्व उपाध्यक्ष श्री टी० बी० एस० जैन, चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल एवं माननीया उद्योग मंत्री के पीछे उपाध्यक्ष श्री शशि मोहन एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री सबलराम डोलिया।

आपसी भाईचारा एवं सौहार्द का प्रतीक होली के शुभ अवसर पर प्रत्येक वर्ष की तरह दिनांक 24 मार्च, 2013 को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज के प्रांगण में होली मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम में किया गया।

इस अवसर पर चैम्बर परिवार के सदस्यों ने सपरिवार समारोह में सम्मिलित होकर एक दूसरे को रंग-अबीर लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। साथ ही इस समारोह में बिहार सरकार की माननीया उद्योग मंत्री डॉ० रेणू कुमारी कुशवाहा, विधायक श्री नीतीन नवीन, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबन्धक श्री जीवनदास नारायण, उप महाप्रबन्धक श्री मनीष टंडन, पद्मश्री डॉ० आर० एन० सिंह, क्षेत्रीय पासपोर्ट पदाधिकारी श्री आनन्द कुमार के साथ-साथ कई गणमान्य व्यक्ति सम्मिलित हुए। चैम्बर अधयक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत किया और होली का शुभकामनाएं दी। आगन्तुकों के मनोरंजन हेतु समारोह में होली के पारंपरिक गीतों का लुत्फ उठाने के लिए विशेष रूप से सारण जिला के सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से गायकों का एक समुह बुलाया गया था। इसके साथ ही आर्केस्ट्रा ग्रूप ने अपने गायन से सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर पधारे लोगों ने ठंडई सहित लजीज व्यंजनों का भी लुत्फ उठाया।

समारोह में चैम्बर के उपाधयक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल एवं श्री शशिमोहन, कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार जैन, महामंत्री श्री ए० के० पी० सिन्हा, पूर्व अध्यक्ष श्री डी० पी० लोहिया, श्री ओ० पी० साह, चैम्बर के सदस्यगण, विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित प्रेस एवं मीडिया के बन्धु काफी संख्या में सम्मिलित हुए।

चैम्बर अध्यक्ष ने भारतीय स्टेट बैंक की एस.एम.ई. शाखा डाकबंगला में विदेशी बैंकिंग सेवा का उद्घाटन किया

एसएमई शाखा का उद्घाटन करने पहुँचे चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल। साथ में बैंक के अधिकारीगण।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने भारतीय स्टेट बैंक, एस.एम.ई. शाखा, डाकबंगला में विदेशी बैंकिंग सेवा का शुभारम्भ का हार्दिक स्वागत किया है। इसका उद्घाटन 22 मार्च 2013 को चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल के कर-कमलों से सपन्न हुआ।

चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने कहा कि दिनांक 20 मार्च 2013 को भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक के साथ चैम्बर प्रांगण में हुई बैठक में बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज की ओर से यह मांग की गयी थी कि कम से कम तत्काल भारतीय स्टेट बैंक के दो एस.एम.ई. शाखा में विदेशी बैंकिंग सेवा का प्रारम्भ किया जाए।

चैम्बर अध्यक्ष ने कहा कि यह भारतीय स्टेट बैंक की बहुत ही सराहनीय कदम है कि चैम्बर की मांग पर ध्यान देते हुए उस पर यथाशीघ्र कार्रवाई कर डाकबंगला शाखा में विदेशी बैंकिंग सेवा का प्रारम्भ कर दिया है, इसके लिए उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक एवं विशेष कर मुख्य महाप्रबंधक श्री जीवनदास नारायण के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इससे पटना के उद्यमियों एवं व्यवसायियों को विदेशी मुद्राऋण, विदेश शाख पत्र, विदेशी मुद्रा प्रेषण आदि की सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय स्टेट बैंक हमेशा अपने ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर रहता है।

चैम्बर में क्वाईन मेला का आयोजन

दिनांक 4 मार्च 2013 को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रांगण में आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से क्वाइन मेला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न मूल्यों के सिक्के व्यवसायियों को उपलब्ध कराया गया ।

क्वाईन मेला में व्यवसायी को सिक्का प्रदान करते चैम्बर के कार्यकारिणी सदस्य श्री सच्चिदानंद, पूर्व महामंत्री श्री राजाबाबू गुप्ता, पूर्व उपाध्यक्ष श्री सुरेश प्रकाश गुप्ता एवं बैंक के अधिकारीगण।

चैम्बर अध्यक्ष श्री पी0 के0 अग्रवाल ने कहा कि चैम्बर के कई सदस्यों से यह सूचना प्राप्त हो रही थी कि बाजार में सिक्कों की कमी के कारण उन्हें व्यवसाय में असुविधा हो रही है । उक्त आलोक में चैम्बर ने पहल करते हुए व्यवसायियों की सुविधा हेतु आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से चैम्बर प्रांगण में क्वाइन मेला का आयोजन कराया जिसमें काफी संख्या में व्यवसायियों ने अपनी आवश्यकतानुसार विभिन्न मूल्यों के सिक्के प्राप्त किए ।

चैम्बर अध्यक्ष ने कहा कि पहली बार इस प्रकार का प्रयोग किया गया है, जो काफी सफल रहा और चैम्बर का यह प्रयास होगा कि व्यवसायियों की सुविधा के लिए कुछ समय के अन्तराल पर इस प्रकार का आयोजन आगे भी होता रहे जिससे कि बाजार में सिक्कों का संतुलन बना रहे ।

श्री अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के क्वाइन मेला का लाभ करीब 100 से अधिक व्यवसायियों ने उठाया है जिसमें करीब 10 लाख के विभिन्न मूल्यों का सिक्का सदस्यों को उपलब्ध कराया गया ।

इस आयोजन में चैम्बर की ओर से उपाध्यक्ष श्री गणेश कुमार खेतड़ीवाल, पूर्व उपाध्यक्ष श्री सुरेश प्रकाश गुप्ता, पूर्व महामंत्री श्री राज बाबू गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य श्री सच्चिदान्द एवं श्री अब्दुल मोजिब अंसारी तथा आईसीआईसीआई बैंक की ओर से करेंसी चेस्ट मैनेजर श्री आलोक कुमार, सहायक प्रबंधक श्रीमती स्वेता यादव एवं वरीय पदाधिकारी श्री पार्था गांगुली उपस्थित थे ।

हर ब्रांच में बदलें कटे फटे नोट : आरबीआइ

अब सभी बैंकों को अपनी सभी शाखाओं (ब्रांच में कटे-फटे और सड़े-गले नोट बदलने का इंतजाम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने आम लोगों की सुविधा को देखते हुए बैंकों को यह निर्देश दिया है। इस निर्देश के दायरे में सभी सहकारी बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी आएंगे। इससे लोगें को अब बिना ज्यादा दूर गए ऐसे नोटों के बदले नए नोट मिल जाएंगे। यह सुविधा सभी कार्य दिवसों पर बैंक शाखाओं को बिना किसी भेदभाव के आम लोगों को देनी होगी। वैसे, आरबीआइ ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि अगर ऐसे कटे-फटे नोटों को कोई बैंक ब्रांच तत्काल बादलने में सक्षम नहीं है तो वह इसे नजदीकी करेंसी चेस्ट में भेज दे। इसके बाद बैंक शाखा को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि एक तय समय के भीतर ग्राहक को नए नोट मिल जाएं।

(साभार: दैनिक जागरण, 06.03.2013)

आम बजट 2013-14

आम आदमी पर और पड़ेगी महंगाई की मार

आम बजट पर संवाद

दिनांक 28 फरवरी 2013 : सुबह के 11 बजे हैं और बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का उद्यमिता विकास सभागार खचाखच भरा है। इसमें राज्य के चर्चित उद्यमी तो हैं ही, विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधि भी उपस्थित हैं। व्यवसायी, डॉक्टर, साहित्यकार, अधिवक्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और महिला अधिकार के लिए काम कर रही महिलाएं...। युवा भी और वृद्ध भी ...। हॉल के ठीक सामने प्रोजेक्टर की मदद से बड़े स्क्रीन पर बजट भाषण सुनने की व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री चिदम्बरम का भाषण शुरू होने के पहले सबकी जुबान पर एक ही सवाल-बिहार को क्या मिलेगा? क्या विशेष दर्जे को लेकर कोई बात होगी? आयकर के स्लैब में क्या बदलाव होगा? अपने तरह का यह पहला आयोजन था 'हिन्दुस्तान' और बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से। इसमें बजट पेश होने के तत्काल बाद लोगों को अपनी प्रतिक्रिया देनी थी।

विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने न केवल एकाग्रता से बजट को देखा, समझा, बल्कि गहन चर्चा भी की। सभी ने बिहार के लिए कुछ खास नहीं मिलने पर निराशा जताई ।

संवाद में उभरे तथ्य

सकारात्मक

- विशेष राज्य का मानक बदलने से बिहार को फायदा
- पिछड़े राज्य के लिए राशि बढ़ने से भी बिहार को लाभ
- बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता आएगी
- हाउसिंग सेक्टर को प्रोत्साहन मिलेगा
- होम लोने लेने वालों को राहत मिलेगी
- आयकर को लेकर मध्य वर्ग को राहत मिलेगी
- महिलाओं में बचत का नया रुझान पैदा होगा
- नालंदा विश्वविद्यालय के लिए प्रतिबद्धता दिखी
- बिहार के विकास को स्वीकार किया गया
- रेडिमेड और जूट उद्योग को मदद मिलेगी

नकारात्मक

- बिहार को इस बजट में ठोस पैकेज नहीं मिला
- एक करोड़ की आय पर सरचार्ज से परेशानी होगी
- सरचार्ज बढ़ाने से कंपनियों पर भी अच्छा असर नहीं
- संपति की खरीदारी में टीडीएस काटना अनुचित
- मोबाइल को भी और महंगा करने का औचित्य नहीं
- चिकित्सा सेवा एवं चिकित्सकीय उपकारणों पर ध्यान नहीं
- रसोई गैस या पेट्रोल-डीजल की कोई बात नहीं कही गई
- महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कोई सार्थक घोषणा नहीं
- महंगाई के अनुसार नहीं बढ़ा आयकर का स्लैब
- बजट में विकास की रफ़्तार तेज करने वाला कुछ भी नहीं।

(विस्तृत समाचार: हिन्दुस्तान, 1.3.2013)

केन्द्रीय बजट में बिहार की उपेक्षा

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज ने माननीय वित्त मंत्री द्वारा 28.02.2013 संसद में पेश आम बजट में बिहार को नजर अन्दाज करने पर अपना असंतोष प्रकट किया है । राज्य के विकास हेतु अपेक्षित विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिए जाने के बावजूद, अन्य कोई भी विशेष योजना या विशेष पैकेज की घोषणा भी नहीं की गई है। बजट में बिहार के लिए चावल उत्पादन में हुई वृद्धि के कारण दी जानेवाली प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त कोई अन्य प्रावधान नहीं किया गया है। राज्य की आम जनता विशेष कर उद्योग एवं व्यवसाय से जुड़े लोग इस बार के बजट में

बिहार के लिए किसी बजटीय घोषणा का बेसब्री से इन्तजार कर रहे थे। चैम्बर अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल ने कहा कि बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा के संबंध में माननीय वित्त मंत्री द्वारा घोषणा के बाद की विशेष राज्य के दर्जा देने के मापदंड पर पुन: विचार करने की आवश्यकता है, से बिहारवासी काफी आशान्वित थे कि उनकी मांग पूरी होगी परन्तु बजट में इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई है ।

उन्होंने नालन्दा विश्वविद्यालय के विकास के प्रतिबद्धता, राजीव गाँधी इक्वीटी योजना में अब 10 लाख के बदले 12 लाख तक की आय वाले निवेश कर सकेंगे, महिला बैंक स्थापित करने एवं इसके प्रारम्भ के लिए 1000 करोड़ की प्रारम्भिक पूंजी का प्रावधान किया जाना एवं समय सीमा अक्टूबर 2013 तक स्थापित करने की की घोषणा स्वागत योग्य है, बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए 1500 करोड़ का प्रावधान, रिक्सा टैक्सी एवं मजदूर के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा आदि को एक स्वागत योग्य कदम बताया ।

श्री अग्रवाल ने कहा कि Direct Tax Code के लिए बनी स्थायी समिति ने भी Tax Slab & Rate में change करने का सुझाव दिया था कि 10 लाख तक Tax का Rate 10% तथा 10 लाख से बीस लाख तक 20% तथा 20 लाख से उपर 30% Tax हो उसको भी नजर अंदाज कर Slab में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है ।

चैम्बर अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कहा कि आयकर की आय सीमा और आयकर दर में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं किया जाना सरकार की जड़ता को प्रदर्शित करता है । इस बजट से ऐसी आशा थी कि आयकर की छूट सीमा को बढ़ाकर कम-से-कम तीन लाख रुपया किया जाएगा । किन्तु इसके स्थान पर 2 से 5 लाख आय वाले जनसंख्या को 2000 रूपये मात्र टैक्स क्रेडिट का लाभ प्रदान किया गया है जिससे कि 1 करोड़ 38 लाख आयकर दाता लाभान्वित होंगे, एक स्वागत योग्य कदम है ।

श्री अग्रवाल ने 25 लाख तक पहली बार मकान क्रय हेतु लिए गए आवास ऋण पर 1 लाख की अतिरिक्त छूट की घोषणा का भी स्वागत किया है ।

उन्होंने कहा कि Devidend Distribution surcharge को 5% से बढ़ाकर 10% करने से छोटे निवेशकों में निराशा होगी, 50 लाख से अधिक की संपत्ति पर 1% TDS लगने का कुप्रभाव पड़ सकता है ।

STT 0.5% से घटाकर 0.1% किए जाने तथा 100 करोड़ से अधिक के निवेश पर औद्योगिक इकाई को Dep. Expenses 15% मिलने की घोषाणा का स्वागत किया है ।

रेल बजट 2013-14

पटरी से उतार दिया बिहार को

• दस नई ट्रेनें, 15 गाड़ियों का मार्ग विस्तार • न कोई मेमू और न ही कोई डेमू ट्रेन मिली • पुराना परियोजनाएं-घोषणाएं ठंडे बस्ते में

रेल बजट में भविष्य की योजनाओं में भी बिहार कहीं नहीं है। न नए प्रस्ताव हैं और न सर्वेक्षण की घोषणा बजट में बिहार को दस नई ट्रेनें मिली हैं। इनमें पांच सीधी एक्सप्रेस और चार पैसेन्जर ट्रेनों के अलावा एक बिहार से गुजरने वाली ट्रेन है। 15 ट्रेनों का मार्ग विस्तार किया गया है। चंडीगढ़-लखनऊ को पटना तक विस्तारित किया गया है, लिहाजा इसे भी सूबे के लिए नई ट्रेन माना जा सकता है। हालांकि जिन नई ट्रेनों को चलाने की घोषणा की गयी है उनमें कई ट्रेनें आमान परिवर्तन के बाद चलेंगी, पर उसकी घोषणा अभी ही कर दी गई है। पुरानी परियोजनाओं में भी एकाध को ही पूरा करने की घोषणा की गई है। इसमें गंगा, कोसी, मुंगेर महासेतु व रेल कारखानों, नवीनगर बिजली कारखाना को लेकर भी कोई संकल्प नहीं दिया। अलबत्ता, पटना में एग्जीक्यूटिव लाउंज बनाने और कटिहार में राष्ट्रीय कौशल विकास योजना के तहत रेल ट्रेडों की एकेडमी की घोषणा जरूर है। आमान परिवर्तन का काम सूबे में कच्छप गति से चल रहा है। आमान परिवर्तन और दोहरीकरण कर किसी योजना को शामिल नहीं किया गया है।

नई ट्रेनें

एक्सप्रेस/मेल : • कटिहार-हावड़ा (वाया मालदा टाउन) साप्ताहिक • कोलकाता-सीतामढ़ी (वाया झाझा, बरौनी, दरभंगा) साप्ताहिक • पटना- बेंगलुरु एक्सप्रेस (वाया छिवकी) साप्ताहिक • राजेन्द्र नगर (पटना)-न्यू तिनसुकिया एक्सप्रेस (वाया कटिहार-गुवाहाटी) साप्ताहिक • पटना-सासाराम इंटरसिटी (वाया आरा) प्रतिदिन • कामाख्या-आनंद विहार(वाया कटिहार)।

मार्ग विस्तार : • अजमेर-किशनगंज का न्यू जलपाईगुड़ी तक • छपरा-कानपुर का फर्रुखाबाद तक • चंडीगढ़-लखनऊ का पटना तक • दिल्ली-मुजफ्फपुर का रक्सौल तक (14007/14008 व 14017/14018 दोनों) • दरभंगा-बंगलुरु का मैसूर तक • दुर्ग-छपरा का मुजफ्फपुर-गोदिया तक • हैदराबाद-दरभंगा का रक्सौल तक • गुवाहाटी- एर्नाकुलम का तिरुवन्तपुरम तक • नई दिल्ली-न्यू फरक्का का मालदा तक • सियालदह वाराणसी का दिल्ली तक • जम्मूतवी-बरौनी का भगलपुर तक • लोकमान्य तिलक-दरभंगा का रक्सौल तक • न्यू जलपाईगुड़ी-दरभंगा का सीतामढ़ी तक • पुरी-दरभंगा का जयनगर तक।

पैसेन्जर : • छपरा-थावे • मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी • समस्तीपुर-बनमनखी • सीतामढ़ी - रक्सौल ।

परियोजनाएं : • नई लाइन: चंडी-बिहारशरीफ • खगड़िया-विष्णुपुर।

आमान परिवर्तन: • बनमनखी -पूर्णिया • छौड़ादानो-रक्सौल • मुरलीगंज-बनमनखी • **विद्युतीकरण :** • सीवान बैतालपुर • साहिबपुर कमाल-काढागोला रोड • झाउआ-मुकुरिया-बारसोई-किशनगंज।

2013-14 में शुरू होने वाली योजनाएं : • दोहरीकरण: हाजीपुर-रामदयालु।

2013-14 में पूरी होने वाली योजनाएं : • नई लाइन: देकपुरा-नूरसराय • तिलैया-खेरोंइ • **दोहरीकरण :** सोनपुर-हाजीपुर। **(साभार : हिन्दुस्तान, 27.2.2013)**

प्रदेश की हुई उपेक्षा — चैम्बर

रेल बजट में बिहार की उपेक्षा किये जाने पर बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इडस्ट्रीज ने चिंता व्यक्त की है। चैम्बर ने कहा कि जहां कई शहरों में नयी रेल फैक्ट्री खोलने का प्रस्ताव किया गया है वहीं बिहार में चल रही परियोजनाओं को उपेक्षा हुई। इससे इन परियोजनाओं का भविष्य अंधकारमय है।

चैम्बर के अध्यक्ष पी. के. अग्रवाल ने कहा है कि मधेपुरा में इलेक्ट्रिक लोको निर्माण इकाई गड़हरा में वैगन कारखाना, समस्तीपुर में कारखाना एवं लोकोशेड के विस्तार, गड़खा में वैगन पुनर्निमाण कारखाना, जमालपुर में कारखना, सोनपुर में नया डेमू शेड, डालमियानगर में रेल बोगी कारखाना, कोसी पुल, पटना व मुंगेर में गंगा पुल व छपरा में रेल चक्का कारखाना की परियोजनाएं चल रही हैं। बजट में इनके बारे में कुछ नहीं कहा गया है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री ने हाल ही में रेल किराया बढ़ाया था फिर भी सरचार्ज लगाकर परोक्ष रूप से इसे फिर से बढ़ा दिया है। इसका असर जनता पर पड़ेगा जो दुखदायी है। फ्यूल सरचार्ज के नाम पर माल भाड़ा बढ़ने से भाड़े में पांच फीसदी की बढ़ोतरी होगी जिससे कई चीजों का दाम बढ़ जाएंगे। सभी वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। यात्री सुविधाओं को लेकर कुछ नहीं किया गया है।

(साभार : राष्ट्रीय सहारा, 27.2.2013)

बार में जाम टकराना हुआ महंगा

'हुई महंगी बहुत ही शराब... थोड़ी-थोड़ी पिया करो ...।' अप्रैल महीने से 'बार' में 'जाम' टकराना महंगा होगा। पैग की कीमत दो से तीन गुनी तक बढ़ेगी। रेगुलर बार से लेकर सितारा होटलों के बार तक महंगाई का असर दिखेगा। फिलहाल रेगुलर बार में 100-150 रुपए तक में सर्व होने वाली बीयर की एक बोतल के लिए 400 रुपए तक खर्च करने पड़ेंगे। बार माहिकों ने संकेत दिया कि होली तक नई दर का निर्धारण करके एक अप्रैल से इसे लागू किया जा सकता है। सरकारी लाइसेंस फी में की गई वृद्धि के कारण पैग परोसना महंगा होगा। रेस्तरां एवं बार एसोसिएशन के मुताबिक फिलहाल नगर निगम एरिया में रेगुलर बार की सालाना लाइसेंस फीस पांच लाख रुपए है जबकि अब 16 लाख रुपए हो गई है। तीन से पांच सितारा होटलों के बार को पांच की जगह 18-20 लाख शुल्क लगेगा। नगर परिषद क्षेत्र में चार लाख की जगह 12 लाख, नगर पंचायत में तीन लाख की जगह 10 लाख और प्रखंड मुख्यालय में तीन लाख की जगह आठ लाख रुपए कर दी गई है।

सूबे के सभी बार बंद करने की चेतावनी

बार-रेस्तरां के लाइसेंस शुल्क में 300-400 प्रतिशत तक की वृद्धि पर भड़के बार मालिक अब आंदोलन के मूड में है। बार मालिकों ने कहा कि अगर सरकार ने लाइसेंस फीस कम नहीं की तो सभी बार मालिक लाइसेंस सरेंडर कर देंगे। प्रेस वार्ता में बिहार रेस्टोरेंट एड बार एसोसिएशन ने शुल्क कम नहीं होने पर सभी बार को बंद करके सड़क पर उतरने की चेतावनी भी दी। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पी. के. चौधरी, सुरेन्द्र लाल और सुनील कुमार ने बताया कि इस मामले में मंत्री व अन्य आला अफसर से मिलने की कोशिश की गई पर समय नहीं मिला।

(साभार: हिन्दुस्तान, 11.03.2013)

एक अप्रैल से बिजली की नई रेट

एक बार फिर से पटनाइट्स को बिजली झुलसाएगी। एक अप्रैल से फिर से बिजली की दर में बढ़ोतरी की गई है। रेसिडेंसियल और कमर्शियल रेट में इजाफा कर दिया गया है। बिहार विद्युत विनियामक आयोग ने सूबे में नए विद्युत टैरिफ का एलान किया। शहरी रेसिडेंसियल कस्टमर को सबसे अधिक झटका लगा है। यहां बिजली की दरों में 9.3 परसेंट का इजाफा हुआ है। रेसिडेंसियल कस्टमर को अब 25 से 40 पैसे प्रति यूनिट ज्यादा देने होंगे, जबकि शहरी क्षेत्र के कमर्शियल कस्टमर पर इसकी मार 30 पैसी यूनिट का पड़ा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में 20 पैसे प्रति यूनिट का इजाफा किया गया है।

26 परसेंट घाटे का बजट पेश : बिहार विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष यूएन पंजियार और सदस्य एससी झा ने प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी दी कि बजट 26 परसेंट घाटे का है। औसतन 6.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कस्टमर पर ज्यादा प्रेशर नहीं पड़ने दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्टेट गवर्नमेंट ने वित्तीय वर्ष 2013-14 में रिसोर्स गैप के लिए 2160 करोड़ रुपए की बजट में व्यवस्था की है। नई रेट से 241.18 करोड़ रुपए का एक्स्ट्रा रेवेन्यू प्राप्त किया जाएगा।

HIGHLIGHTS

• रेलवे के लिए बिजली रेट 5.20 रुपए से बढ़ाकर 5.55 रुपए प्रति यूनिट की गई है • स्ट्रीट लाइट की रेट 6.50 रुपए प्रति यूनिट से बढ़ाकर 7.00 रुपए • फिक्स चार्ज में वृद्धि नहीं की गयी है • 24 घंटा बिजली लेने पर 10 परसेंट प्रीमियम सरचार्ज के रूप में लगेगा।

रुरल एरिया

बिना मीटर -	150-160
0-50 यूनिट -	1.80-2.00
51-100 यूनिट -	2.10-230
100 यूनिट से ऊपर	- 2.50-2.70

मंदिर, मस्जिद व चर्च

यूनिट	पहले	अब
1-100 यूनिट	2.75	3.00
101-200 यूनिट	3.50	3.80
200 यूनिट से उपर	4.30	4.70

अर्बन एरिया घरेलु

यूनिट	पहले	अब
1-100 यूनिट	2.60	2.85
100-200 यूनिट	3.20	3.50
201-300 यूनिट	3.85	4.20
301 से ऊपर यूनिट	4.90	5.30

इसमें 9.3 परसेंट की वृद्धि हुई है।

कमर्शियल

1-100 यूनिट	4.70	5.00
101-200 यूनिट	5.00	5.30
201 यूनिट से ऊपर	5.40	5.70

इसमें 5-6 परसेंट की वृद्धि हुई है।

(साभार : आई-नेक्स्ट, 16.03.2013)

सावधान ! प्रदूषण फैलाया तो पकड़ेगा उड़नदस्ता

बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद अब ऑन दी स्मॉट उनकी खबर लेगा जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। चाहे वे उद्योग चलाने वाले हों या बायो मेडिकल वेस्ट, ई-वेस्ट या पलास्टिक इस्तेमाल करने वाले। प्रदूषण बोर्ड का उड़नदस्ता अचानक पहुंच जांच करेगा।

(साभार : हिन्दुस्तान, 10.03.2013)

बिहार सरकार
उद्योग विभाग
"आओ बिहार"

राज्य में निवेश को बढ़ावा देने एवं नई औद्योगिक इकाईयों/तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना हेतु सुगमता से भूमि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरकार द्वारा **"आओ बिहार"** योजना लागु की गई है।

यदि कोई व्यक्ति अथवा व्यक्ति समूह 02 एकड़ या उससे अधिक भूमि के स्वामी हैं तथा अपनी जमीन उद्योग अथवा संस्थानों उपलब्ध कराना चाहते हैं तो वे संबंधित जिलाधिकारी के यहां संबंधित जमीन के ब्यौरे के साथ सूचीवद्ध करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये निम्न पते पर सपर्क किया जा सकता है।

उद्योग विभाग, दूसरा तल्ला, विकास भवन, नया सचिवालय, पटना।
दूरभाष संख्या -0612-2221211/फैक्स -0612-2224991
email : idc_bihar@yahoo.co.in

प्रधान सचिव,
उद्योग, विभाग, बिहार पटना।

(साभार : हिन्दुस्तान, 6.3.2013)

एक क्लिक पर दर्ज होंगी निगम में शिकायतें

संसाधनों के अभाव से जूझने वाला पटना नगर निगम अब 'ई म्युनिसिपलटी' की तैयारी में जुट गया है। 'ई म्यूनिसिपलटी' के लागू होने पर शहर के लोग अपनी शिकयतें ऑन लाइन तो दर्ज करा ही सकेंगे, जन्म, मृत्यु प्रमाणपत्र और भवन निर्माण की स्वीकृति भी ऑनलाइन ही ले सकेंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने नगर निगम को लगभग 15 करोड़ रुपये मुहैया कराये है। नगर निगम के विशेष कार्य पदाधिकारी शैलेश चंद्र दिवाकर को अब 'ई म्युनिसिपलटी सेल' का प्रभार भी सौप दिया गया है।

नागरिक अधिकार पत्र के बाद बढ़ी जिम्मेदारी : नागरिक अधिकार पत्र (सिटीजन चार्टर) लागू होने के बाद नगर निगम ने सरकार के निर्देश पर यह कदम उठाया है। सरकार ने भी माना है कि नगर निकायों को शासन के अंतिम तंत्र और सेवा प्रावधान में सीधे शामिल होने के कारण जनता की शिकायतों के प्रति उसकी जवाबदेही और बढ़ी है। ऐसे में निगम की कार्य प्रणाली में सुधार की आवश्यकता है।

ई म्युनिसिपलटी के तहत मिलने वाली सुविधाएं : • जन्म-मृत्यु का पंजीकरण ऑन लाइन ही मिल जाएगा • संपत्तिकर का विवरण प्राप्त करना जमा करना • जलापूर्ति के नए कनेक्शन का आवेदन • गंदे नाले की सफाई के लिए शिकायत दर्ज कराना • किसी प्रकार का सुझाव अथवा शिकायत • भवन निर्माण की स्वीकृति प्राप्त करना • किसी प्रकार के लाइसेंस के लिए आवेदन • विज्ञापन अनुमति और उसका नवीकरण • व्यापार लाइसेंस का नवीकरण • विज्ञापन टैक्स का आकलन।

(साभार: दैनिक जागरण, 06.03.2013)

नवीन कुमार बने जीएसटी नेटवर्क के एसपीवी के अध्यक्ष

जीएसटी कार्यान्वयन की दिशा में ठोस कदम – मोदी

बिहार सरकार के पूर्व मुख्य सचिव नवीन कुमार को जीएसटी नेटवर्क को कार्यान्वित करने के लिए बनी कपंनी स्पेशल परपसर व्हेकिल (एसपीवी) का अध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने दिल्ली के नार्थ ब्लाक में यह निर्णय लिया। केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिंदबरम, जीएसटी विषयक राज्यों के वित्त मंत्रियों की प्राधिकृत समिति के अध्यक्ष सह उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी एवं जीएसटी नेटवर्क के अध्यक्ष नंदन नीलकेनी के त्रिसदस्यीय चयन समिति ने श्री कुमार के नाम पर मुहर लगायी है।

(विस्तृत समाचार: आज, 07.03.2013)

EDITORIAL BOARD

Editor
A. K. P. Sinha
Secretary General

K. P. Singh
Chairman
Library & Bulletin Sub-Committee

Printer & Publisher
A. K. Dubey
Asst. Secretory

Khemchand Chaudhary Marg, Patna - 800 001 • Ph. 0612-3200646, 2677605, 2677635 • Fax No. : 0612-2677505
E-mail : bccpatna@gmail.com • Website : www.biharchamber.org

Price Rs. 0.25

Design & Printed by : Sharada Enterprises, Patna, Ph.:0612-2690803, 2667296